मनसा सेवा - 31

➢➢ सूक्ष्म नेत्र (तीसरा नेत्र)

➳ _ ➳ यह स्थूल शरीर का हिस्सा नहीं है

➳ _ ➳ यह नेत्र सिर्फ तभी खुलेगा

→ स्थूल नेत्रों से बाहर बहती हुई ऊर्जा को बाहर जाने से रोक दिया जाए

→ और वह ऊर्जा अन्दर बहने लगे

➢➢ दृष्टि का महत्व

➳ _ ➳ जैसी दृष्टि , वैसी सृष्टि

→ अगर दृष्टि में कामुकता (देह) है तो कामुकता (देह) दिखाई देगी

→ अगर दृष्टि में आत्मीयता है तो आत्मा दिखाई देगी

→ जैसी दृष्टि, वैसा दृष्टिकोण

→ जैसी नज़र, वैसा नजरिया

→ नज़र को बदलो... नज़ारे बदल जायेंगे...

➢➢ दृष्टि से क्या क्या किया जा सकता है ?

➳ _ ➳ शक्ति का दान

➳ _ ➳ रहम / सहानुभूति का दान

➳ _ ➳ प्रेम का दान

➳ _ ➳ सुख का दान

➳ _ ➳ शांति का दान

➳ _ ➳ परिवर्तन शक्ति

➳ _ ➳ अशरीरीपन का अनुभव करवाना

➳ _ ➳ बीमारी को ठीक करना

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 23…24 Of Mansa Sewa Book